CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-219
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

अपनी नजर सिर्फ उसी चीज़ पर रखो जिसे तुम पाना चाहते हो, उस पर नहीं जिसे तुम खो चुके हो!

बिहार सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, गुरुवार, 14 नवम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CM नीतीश कुमार ने दरभंगा में की PM मोदी के पैर छूने की कोशिश, लेकिन नहीं हुए सफल

दरभंगा. बिहार के दरभंगा में एम्स के शिलान्यास समारोह के दौरान अनोखा नजारा देखने को मिला। सीएम नीतीश कुमार ने पीएम मोदी के पैर छूने की कोशिश की लेकिन पीएम मोदी ने उन्हें रास्ते में ही रोक दिया। इसका वीडियो भी सामने आया है।

क्या है पूरा मामला?

दरभंगा के शोभन में दरभंगा एम्स के शिलान्यास समारोह के दौरान बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपना संबोधन खत्म करके वापस अपनी जगह जा रहे थे। इसी दौरान उन्होंने पीएम मोदी के पैर छूने की कोशिश की, हालांकि पीएम मोदी ने फौरन उन्हें पैर छूने से रोक दिया। इस दौरान नीतीश कुमार के इस व्यवहार से पीएम मोदी भी आश्चर्यचकित नजर आए।

पीएम ने दरभंगा में क्या कहा?

पीएम मोदी ने दरभंगा में जनता को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र में मेरी और बिहार में नीतीश सरकार मिलकर बिहार के सपनों को पूरा कर रही है। केंद्र में उनकी सरकार और बिहार में नीतीश कुमार की सरकार मिलकर इस प्रदेश के हर सपने को पूरा करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने यहां यह भी कहा कि नीतीश कुमार बिहार में सुशासन लाए और 'जंगलराज' को खत्म किया। दरअसल पीएम मोदी ने दरभंगा में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की आधारशिला रखी और कहा कि हमारी कोशिश है कि हमारी विकास और जन कल्याण योजनाओं का यादा से यादा लाभ बिहार के लोगों को मिले।

राय में 12,100 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण

पीएम मोदी ने इस मौके पर 12,100 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इस दौरान बिहार के रायपाल राजेंद्र अर्लेकर और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मौजूद रहे। पीएम मोदी ने कहा, नीतीश बाबू के नेतृत्व में बिहार ने सुशासन का जो मॉडल विकसित करके दिखाया गया है, वह अद्भुत है। बिहार को 'जंगलराज' से मुक्ति दिलाने में उनकी भूमिका की जितनी सराहना की जाए, वह

कम है।

पीएम ने कहा कि नीतीश कुमार से पहले की सरकारों को कभी स्वास्थ्य ढांचे की फिक्र नहीं हुई और उन्होंने जनता से झूठे वादे किए थे, लेकिन नीतीश के सत्ता में आने के बाद राय के हालात में सुधार हुआ। 'डबल इंजन' की सरकार बिहार में विकास को गति देने के लिए प्रतिबद्ध है।

बिरसा मुंडा की जयंती पर जारी होगा 150 रुपये का सिक्का, भारत सरकार ने की घोषणा अंग्रेजों के विरुद्ध जनजातीय विद्रोह उलगुलान का नेतृत्व कर जंगल-जमीन की लड़ाई लड़ने वाले आदिवासी जन चेतना के लोकनायक और भगवान बिरसा मुंडा के शौर्य और बलिदान की स्मृतियां स्मारक सिक्कों के माध्यम से भी सहेजी जाएंगी।

भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग ने इस संबंध में गजट नोटिफिकेशन जारी किया है। सरकार आदिवासियों के भगवान और धरतीबा के रूप में प्रसिद्ध बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर 150 रुपये मूल्य वर्ग का स्मारक सिक्का जारी करेगी। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर 15 नवंबर को बिहार के जमुई जिले के खैरा प्रखंड स्थित बल्लोपुर गांव में होने वाले कार्यक्रम में सिक्के का अनावरण कर सकते हैं। यह सिक्का कभी प्रचलन में नहीं आएगा। 150 रुपये मूल्य वर्ग का यह सिक्का शुद्ध चांदी का है।

इसे भारत सरकार की मुंबई टकसाल ने तैयार किया है। सिक्के का कुल वजन 40 ग्राम और परिधि 44 मिलीमीटर की है। सिक्के के एक तरफ बिरसा मुंडा का प्रचलित चित्र है, जिसके ऊपर हिंदी में भगवान बिरसा मुंडा जी की 150वीं जयंती लिखा है।

गृह मंत्री बिरसा मुंडा की प्रतिमा का करेंगे अनावरण

उधर, नई दिल्ली के सराय काले खां में बांसेरा पार्क के प्रवेश द्वार पर लगी आदिवासी नेता बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को करेंगे। डीडीए ने आदिवासी नेता बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर उनकी 3000 किलो वजनी 20 फीट ऊंची प्रतिमा यहां स्थापित की है।

एनएच-9 से आश्रम की ओर जाने वाले फ्लाईओवर का निर्माण हाल ही में हुआ है। नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि पूर्व में सराय काले खां फ्लाईओवर का सुंदरीकरण किया गया था। उसको और संवारा जाएगा। साथ ही नवनिर्मित फ्लाईओवर के नीचे भी सुंदरीकरण किया जाना है।

बिरसा मुंडा जयंती मनाने को लेकर राष्ट्रीय सरना युवा संघ की बैठक

वहीं, झारखंड में रामगढ़ जिला के अंतर्गत ग्राम गड़के मुंडा बगान में बुधवार को 15 नवंबर को भगवान बिरसा की 149 वीं जयंती सह सरना झंडा गड़ी ग्राम लोधमा में धूमधाम से मनाने को लेकर राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा व राष्ट्रीय सरना युवा संघ की संयुक्त बैठक हुई।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि इस वर्ष भी बिरसा जयंती सह सरना झंडागाड़ी पहान द्वारा विधि-विधान पूर्वक अर्चना कर हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इसके तैयारी पूरी कर ली गई है।

बेगूसराय में एक बार फिर गीदड़ के आतंक

बेगूसराय. यूपी-बिहार के अलग-अलग शहरों में हाल के दिनों में भेड़िया, कुत्ते और तेंदुओं के आतंक से लोगों की परेशानी बढ़ने के कई मामले सामने आए हैं. वहीं अब बिहार के बेगूसराय में एक बार फिर गीदड़ के आतंक से लोगों का जीना मुश्किल हो गया है. दरअसल पूरा मामला भगवानपुर थाना क्षेत्र के ताजपुर गांव की है जहां एक गीदड़ ने आधे दर्जन लोगों को काट-काट कर बुरी तरह जख्मी कर दिया है. गीदड़ ने पालतू पशुओं को पर भी जानलेवा हमला किया है.

फिलहाल सभी घायलों का इलाज सदर अस्पताल बेगूसराय में चल रहा है. घायलों की पहचान ताजपुर निवासी विपुल झा उनकी पत्नी सुनैना देवी, पड़ोसी पुरुषोत्तम चौधरी सहित अन्य के रूप में की गई है. पीड़ित विपुल झा ने बताया कि आज सुबह उनकी पत्नी मवेशी को चारा देने के लिए दरवाजा खोलकर घर से बाहर निकली, उसी वक्त पूर्व से ही घात लगाए गीदड़ ने सुनैना देवी पर हमला कर दिया और उन्हें बुरी तरह नोचने खसोटने लगा.

सुनैना देवी की आवाज सुनकर जब विपुल झा उन्हें बचाने के लिए बाहर निकले तब गीदड़ ने उन पर भी बुरी तरह हमला कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए. बाद में जब अन्य

लोग जमा होने लगे तब गीदड़ वहां से भाग गया और पास के ही एक घर में पुरुषोत्तम चौधरी उनकी पत्नी एवं अन्य लोगों पर हमला कर बुरी तरह से जख्मी कर दिया. फिलहाल स्थानीय लोगों ने वन विभाग से मांग की है कि कि गीदड़ को पकड़ कर वन विभाग उसे मार दे जिससे कि आम लोग सुरक्षित रह सके.

वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि आए दिन गीदड़ एवं बंदरों की वजह से स्थानीय लोग परेशान रहते हैं. वहीं जानवर फसलों को भी काफी नुकसान पहुंचाते हैं. वन विभाग को सूचना देने के बाद भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई, जिससे कि लोगों में आक्रोश भी बना हुआ है.

21 साल पुराने केस में 10 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा

रोहतास की कोर्ट ने 21 साल पुराने तीहरे हत्याकांड में 10 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही कोर्ट ने सभी दोषियों के ऊपर 1 लाख 12 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। साल 2003 में संझौली थाना क्षेत्र के तिलई गांव में तीन लोगों की अपहरण करने के बाद गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

दरअसल, 4 जनवरी 2003 की शाम तिलई गांव के रहने वाले विजय कुमार सिंह, विंध्यवासिनी प्रताप सिंह और शिवजी सिंह अपने खलिहान में बैठे थे, तभी 30 से 35 हथियारबंद लोग वहां पहुंचे और तीनों को जबरन उठाकर अपने साथ ले गए। सुनसान जगह पर तीनों को ले जाकर बदमाशों ने उनका हाथ पैर बांध दिया और गोली मारकर तीनों को मौत के घाट उतार दिया था।

इस ट्रिपल मर्डर केस को लेकर थाने में मामला दर्ज कराया गया। इस मामले में 13 लोगों का नाम

सामने आया था। केस के ट्रायल के दौरान दो लोगों की मौत हो गई। अदालत में ट्रायल के दौरान 13 गवाहों की गवाही कराई गई। इस मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने 10 आरोपियों को दोषी पाया जबकि एक को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया।

21 साल पुराने मामले में डिस्ट्रीक्ट जज शैलेंद्र कुमार पाण्डा की कोर्ट ने बुधवार को 10 दोषियों की सजा के बिंदू पर सुनवाई की। कोर्ट ने तिलई गांव निवासी शिवकुमार घोबी, शिव पारस धोबी, छेदी धोबी, जयेंद्र राम, नाखून धोबी, बेचन महतो, शालिक राम, मालिक राम, सुदामा पासवान और त्रिभुवन बैठा को आजीवन कारावास की सजा सुनाई और सभी के ऊपर आर्थिक जुर्माना भी लगाया।

पटना पुलिस ने बाहुबली विधायक रीतलाल यादव के घर चिपकाया इश्तेहार

पटना. राष्ट्रीय जनता दल के नेता और बाहुबली विधायक रीतलाल यादव के घर के बाहर दानापुर एएसपी भानु प्रताप के नेतृत्व में खगौल थानाध्यक्ष ने इश्तेहार चिपकाया है. यह इश्तेहार राजद विधायक रीतलाल यादव के भाई पिंकू कुमार यादव को एक आरोप में फरार बताते हुए कोर्ट के आदेश से चिपकाया गया है. जानकारी के अनुसार न्यायालय के आदेश पर घर के कुर्की से पहले यह इश्तेहार चिपकाए गया है.

थानाध्यक्ष खगौल सुनील कुमार के मुताबिक पिंकू यादव पर 22 अगस्त 2024 को पटना एम्स के सिक्युरिटी इंचार्ज के गाड़ी पर गोली चलाने का आरोप लगा था. घटना के बाद से ही पिंकू यादव फरार चल रहा था. इसी को लेकर कोर्ट के आदेश के बाद यह इश्तहार चिपकाया गया है.

बताया जाता है कि पिंकू यादव भी अपने विधायक भाई के साथ ही उनके घर पर रहते हैं. इसी वजह से विधायक के घर इश्तहार चिपकाया गया है. सूत्रों के अनुसार पुलिस गुरुवार को कुर्की जब्ती के लिए आवेदन देगी. हालांकि इस मामले में विधायक रीतलाल यादव ने आपने भाई पिंकू यादव को निर्दोष बताया है. उन्होंने अपने भाई को फंसाने की बात कही है. वहीं जब पुलिस की टीम रीतलाल यादव के घर नोटिस लगाने पहुंची तो मौके पर मौजूद परिवार

के सदस्यों और समर्थकों ने विरोध किय. लेकिन, पुलिस वहां से इश्तेहार चिपकाकर ही निकली. खगौल थाना प्रभारी सुनील कुमार के अनुसार घर पर इश्तेहार इसलिए चिपकाया गया है ताकि पिंकू यादव प्रेशर में आकर सरेंडर कर दे. हालांकि इस बीच पटना पुलिस पिंकू यादव की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग लोकेशन पर छापेमारी कर रही है.

बनर्जी और कर्नाटक सीएम सहित इन पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज का ज़ुबानी हमला, बुर्का को लेकर ये कहा

तीन दिवसीय दौरे पर बेगूसराय पहुंचे केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एक बार फिर इस्लाम को लेकर बयान दिया है। वहीं, पश्चिम बंगाल सीएम ममता बनर्जी और कर्नाटक पर हमला बोलते हुए कहा कि ये वर्ष महिला सशक्तिकरण का वर्ष है। आज पूरी दुनिया में जो इस्लामिक देश हैं, वहां भी बुर्का के खिलाफ कई जगह आंदोलन चल रहा है। लेकिन भारत के अंदर कट्टरपंथियों के कारण एक नई संस्कृति की देन शुरू हुई है। जहां पहले कभी किसी इंस्टिट्यूशन में बुर्का नहीं पहनती थी, हिजाब नहीं लगाती थी। वहां भी आखिर हो क्यों नहीं, जब कोई धर्मगुरु मौलाना अरशद मदनी जैसा कहे कि मैं पांच लाख लोगों को लेकर वक्फ बोर्ड के खिलाफ पहुंच जाऊंगा, सड़क जाम करूंगा सड़क। यानी कानून से मतलब नहीं है। तौकीर राजा कहे मैं दिल्ली को घेर लूंगा, ओवैसी कहे मैं 15 मिनट में बता दूंगा, आबिद कहे कि यह पाकिस्तान होता लखनऊ तक, ये वोट के सौदागरौं ने आतंक जैसा देश में माहौल पैदा कर दिया है। इसीलिए यहां भी लोगों को बाध्य

होना पड़ रहा है। बच्चियों को बुर्का पहनने के लिए यही स्थिति है भारत की और भारत में अब लोग एक सौ करोड़ हिंदुओं को डराने धमकाने का काम कर रहे हैं। चाहे पांच लाख तौकीर राजा जमा कर दे, घेर ले दिल्ली को चाहे मदनी कह दे, वोट के सौदागर उनके साथ खड़े दिखेंगे। चाहे राहुल गांधी हो चाहे लालू यादव हो। कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया पर गिरिराज सिंह ने कहा, कर्नाटक के सीएम खुद भ्रष्टाचार के आरोप में घिरे हैं और अभी तक वह निर्लजता की सीमा पार कर गए हैं और कर्नाटक अभी पूरे देश में तुष्टिकरण की पराकाष्ठा की राजनीतिक कर रही है। टेंडर में अगर मुसलमान को रिजर्वेशन दिया जाए तो इससे बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण और क्या हो सकता है। केंद्रीय मंत्री ने पश्चिम बंगाल को लेकर एक बार फिर ममता बनर्जी पर हमला बोला है। पश्चिम बंगाल तो हिंसा की राजधानी बन गई है और पश्चिम बंगाल की सरकार वहां कानून अपने पॉकेट में रखती है और एक खास समुदाय मुसलमान के लिए राज्य की सरकार काम करती है। ममता बनर्जी को लगता है कि मुस्लिम और आने वाले दिन में बंगाल को बांग्लादेश के रूप में परिवर्तित करेगी।